प्लेसिबो प्रभाव का भी जीन है

पहली बार एक ऐसे जीन की तलाश की गई है जिसका सम्बंध रोगी की संवेदनशीलता बढ़ाने से है, खास तौर से प्लेसिबो प्रभाव के प्रति। प्लेसिबो प्रभाव मतलब छद्म उपचार से स्वास्थ्य लाभ।

हो सकता है कि यह जीन हर परिस्थिति में उपचार के समय अपनी भूमिका न अदा करता हो और यह प्रयोग भी कुछ ही व्यक्तियों को लेकर किया गया था। फिर भी यह खोज प्लेसिबो की प्रक्रिया को जानने में मील का पत्थर साबित होगी। इस प्रभाव के कारण कभी-कभी उपचार की प्रभाविता के परीक्षण में अस्पष्टता पैदा हो जाती है। स्वीडन के उपसला विश्वविद्यालय के थामस फरमार्क का कहना है कि पहली बार किसी ने प्लेसिबो प्रभाव का सम्बंध किसी जीन से जोड़ा है।

फरमार्क और उनके सहयोगियों ने ऐसे 25 लोगों को लिया जो सामाजिक दुश्चिंता से पीड़ित थे। ऐसे लोगों में सार्वजनिक अपमान होने की बहुत चिंता रहती है। इन लोगों को उपचार के शुरू में और फिर 8 हफ्तों के उपचार के बाद एक सार्वजनिक भाषण देना था। डॉक्टरों और इन लोगों को यह ज्ञात नहीं था कि वास्तव में 8 सप्ताह का यह उपचार एक दिखावा यानी प्लेसिबो है।

10 प्रतिभागियों ने अन्य की अपेक्षा इस दिखावा उपचार के प्रति बेहतर प्रतिसाद दिया और उपचार के अंत में उनकी दुश्चिंता का स्तर अन्य की अपेक्षा आधा पाया गया जबकि शेष अभी उसी स्तर पर टिके हुए थे।

मस्तिष्क की स्केनिंग करने पर यह पाया गया कि इन लोगों में भय का केंद्र कहे जाने वाले एमिग्डेला के क्रियाकलाप में भी 3 प्रतिशत की गिरावट आई है।

यह देखने के लिए कि क्या प्रतिक्रिया देने और न देने वालों के बीच जिनेटिक अंतर हैं, फरमार्क ने इन लोगों में ट्रिप्टोफेन हाइड्रॉक्सिलेज़-2 के जीन के एक परिवर्तित रूप का अध्ययन किया। यह जीन मस्तिष्क में सिरोटोनिन का निर्माण करता है। पूर्व में किए गए अध्ययन से पता चला था कि जिन व्यक्तियों में इस जीन के एक परिवर्तित रूप की दो प्रतिलिपियां होती हैं, वे भय परीक्षण में कम चिंतातुर होते हैं। वर्तमान प्रयोग में भी असर दिखाने वाले 10 में से 8 लोगों में इस जीन की दो प्रतिलिपियां थीं, जबकि अन्य लोगों में से किसी में भी ऐसा नहीं था।

फरमार्क को लगता है कि इस जीन का प्रभाव एमिग्डेला से सम्बंधित कुछ अन्य परिस्थितियों में भी कारगर होगा (जैसे फोबिया, दर्द से जुड़ी विकृतियां और डिप्रेशन आदि)। मगर यह बात तो और प्रयोगों से ही पता चलेगी कि क्या इस जीन का असर सामान्य तौर पर प्लेसिबो प्रभाव में नज़र आता है। वैसे भी प्लेसिबो प्रभाव एक तरह से नहीं, कई तरह से काम करता है। कुछ में जिनेटिक्स का हाथ हो सकता है जबकि अन्य में मात्र राहत पाने की चाहत का हाथ होता है। ***(स्रोत फीचर्स)***